



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 418]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 28, 2010/श्रावण 6, 1932

No. 418]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 28, 2010/SHRAVANA 6, 1932

वित्त मंत्रालय

(वित्तीय सेवाएं विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 2010

सा.का.नि. 638(अ).— भारतीय स्टेट बैंक (जिसे इसमें इसके पश्चात अंतरिती बैंक कहा गया है) ने केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से और रिजर्व बैंक से परामर्श करके स्टेट बैंक आफ इन्दौर (जिसे इसमें इसके पश्चात अंतरक बैंक कहा गया है) के व्यापार का, उसकी आस्तियों एवं दायित्वों सहित, समामेलन के रूप में अर्जन करने के लिए समझौते की वार्ता की है;

अर्जन से संबंधित निबंधनों और शर्तों पर अंतरिती बैंक के केन्द्रीय बोर्ड और अंतरक बैंक के बोर्ड द्वारा एक स्कीम के रूप में करार हो गया है;

और रिजर्व बैंक ने अंतरक बैंक और अंतरिती बैंक द्वारा करार हुए ऐसे अर्जन का अनुमोदन कर दिया है और इसे केन्द्रीय सरकार को उसकी मंजूरी के लिए प्रस्तुत कर दिया है;

अतः अब भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 (1955 का 23) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 35 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित आदेश द्वारा इसकी मंजूरी अनुदत्त करती है अर्थात् -

1. (1) इस आदेश को स्टेट बैंक आफ इन्दौर का अर्जन आदेश, 2010 कहा जा सकेगा।
(2) यह राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से तीसवें दिन को लागू होगा (जिसे इसमें इसके पश्चात प्रभावी तारीख कहा गया है)।
2. प्रभावी तारीख को ही अंतरक बैंक के व्यापारिक कार्य, जो इस आदेश के लागू होने की तारीख से पहले विद्यमान हों, बिना किसी अगले अधिनियम, लिखत या विलेख के, अंतरिती बैंक को अंतरित कर दिए जाएंगे और उसमें निहित होंगे।

3. अंतरक बैंक के व्यापारिक कार्य जो कि अंतरिती बैंक को अंतरित हैं और निहित हैं में सभी व्यवसाय, आस्तियां, अधिकार, शक्तियां, प्राधिकार, अनुज्ञप्तियां, परमिट, अनुमोदन, अनुज्ञाएं, प्रोत्साहन, ऋण, आर्थिक सहायता, रियायतें, अनुदान, स्वतंत्रता, विशेष प्रास्थिति और अन्य विशेषाधिकार तथा सारी सम्पत्ति अर्थात् जंगम एवं स्थावर, वास्तविक एवं व्यक्तिगत, मूर्त एवं अमूर्त, गुडविल, प्रतिलिप्यधिकार बौद्धिक संपदा के अधीन सभी अधिकार कब्जे में या आरक्षित, वर्तमान या आकस्मिक चाहे किसी भी प्रकृति के हों और किसी भी स्थिति में हों, जिनमें भूमि, भवन (वाणिज्यिक और आवासीय सहित), जुड़नार (फिक्सचर), वाहन, नकदी शेष, जमाराशि, विदेशी करेंसी, घोषित एवं अघोषित आरक्षिती, आरक्षित निधि, विशेष आरक्षित निधि, हितकारी आरक्षित निधि, कोई अन्य निधि, स्टॉक, विनिधान, शेयर, लाभांश, बंधपत्र, डिबेन्चर, प्रतिभूति, किसी औद्योगिक समुत्थान का प्रबंधन, औद्योगिक समुत्थानों को दिए गए ऋण, अग्रिम एवं प्रत्याभूतियां, भारत के अंदर एवं बाहर अंतरक बैंक के स्वामित्व, कब्जे या अधिकार में प्रभावी तारीख से ठीक पहले ऐसी संपत्ति से उद्भूत अन्य किराया, पट्टे या बही-ऋण तथा अन्य सभी अधिकार एवं हित, तथा उनसे संबंधित सभी बही खाते, रजिस्टर, अभिलेख एवं दस्तावेज सम्मिलित समझे जाएंगे और यह भी समझा जाएगा कि इसमें उस समय विद्यमान अंतरक बैंक के भारत के अंदर एवं बाहर किसी भी प्रकार के सभी उधार, दायित्व एवं बाध्यताएं किसी प्रकार के भार सहित चाहे रक्षित अथवा अरक्षित भार विल्लंगम उन पर अथवा उसके संबंध में धारणाधिकार अथवा प्रतिभूति भी सम्मिलित होंगे;

4. प्रभावी तारीख के ठीक पहले सभी संविदाएं, विलेख, बंधपत्र, प्रत्याभूतियां, करार, आश्वासन, मुख्तारनामा, किसी भी प्रकार के अन्य लिखत एवं ठहराव प्रभावी तारीख से पूर्व पूरी तरह लागू होंगी और अंतरिती बैंक के विरुद्ध एवं उसके पक्ष में लागू होंगी और इस तरह पूर्णरूपेण और प्रभावी तरीके से लागू होंगी मानो अंतरक बैंक के बजाय अंतरिती बैंक का नाम रहा हो या वह उसका एक पक्षकार हो और इस पैरा के उपबंधों को प्रभावी करने के लिए किसी तृतीय पक्षकार अथवा अन्य व्यक्ति, जो उपरलिखित लिखतों अथवा ठहरावों का एक पक्षकार हो, से सहमति प्राप्त करना आवश्यक नहीं होगा;

5. अंतरक बैंक द्वारा या उसके विरुद्ध किसी न्यायालय या अधिकरण या किसी अन्य प्राधिकरण में लंबित सभी कार्यवाहियां या वाद-हेतुक, वाद, डिक्री, वसूली प्रमाण पत्र, अपील और सभी अन्य विधिक कार्यवाहियां प्रभावी तारीख से उस अंतरिती बैंक द्वारा या उसके विरुद्ध ऐसे जारी रहेंगी या प्रवृत्त रहेंगी जिसे इस आदेश के आधार पर अंतरक बैंक ने निहित किया है, मानो यह आदेश प्रवृत्त न हुआ होता तो यह अंतरक बैंक द्वारा या उसके विरुद्ध लागू होते और अंतरक बैंक द्वारा या उसके विरुद्ध प्रवर्तनीय होने के लिए रोक दिए जाएंगे।

6.(क) प्रभावी तारीख को ही इस आदेश के निबंधनों में अंतरिती बैंक में अंतरक बैंक के सभी उपक्रमों के अंतरण एवं इसमें निहित होने पर विचार करते हुए, अंतरिती बैंक, इस आदेश के उपबंधों के अधीन, और बिना किसी अन्य आवेदन लागू सभी विधियों अथवा विनियमों के अनुसरण में कार्य अथवा विलेख, निर्गम और आबंटन, अंतरिती बैंक की पूंजी में पूर्ण संदत्त के रूप

में जमा किए गए दस रुपए प्रत्येक के अंकित मूल्य के चौंतीस शेयर अंतरक बैंक के उन सदस्यों, अंतरिती बैंक और इसके नामनिर्देशितियों (गैर-अंतरणकर्ता बैंक के शेयरधारक) को छोड़कर, जिनके नाम सदस्य रजिस्टर और निक्षेप के अभिलेख में अंतरक बैंक के सदस्य के रूप में अभिलिखित हों और अंतरक बैंक में गैर-अंतरिती बैंक शेयरधारकों द्वारा धारित दस रुपए प्रत्येक के अंकित मूल्य की प्रत्येक 100 शेयरों के लिए इस आदेश के जारी होने के बाद (इसके बाद इसे रिकार्ड-तारीख कहा गया है) अंतरिती बैंक या इसकी कार्यपालक समिति द्वारा नियत किसी तारीख को प्रभावी होगा।

परंतु -

- (i) जहां अंतरक बैंक में गैर-अंतरिती बैंक के शेयरधारक की धारिता इस प्रकार है कि ऐसा शेयरधारक अंतरिती बैंक के एक साधारण शेयर के किसी हिस्से के लिए पात्र हो जाता है, वहां अंतरिती बैंक ऐसे शेयरधारक को भिन्नात्मक शेयर प्रमाण-पत्र जारी नहीं करेगा बल्कि अंतरिती बैंक के शेयर मूल्यांकन के अनुसरण में जो पहले ही किया जा चुका हो, अवधारित ऐसे भिन्नात्मक शेयर के मूल्य के समतुल्य नकदी का भुगतान करेगा।
- (ii) यदि रिकार्ड तारीख को किसी गैर-अंतरिती बैंक के शेयरधारक के शेयर अंतरण का कोई मामला लंबित है, चाहे वह जमा किया गया हो अथवा बकाया हो, तो ऐसे मामलों में अंतरिती बैंक का केन्द्रीय बोर्ड अथवा कोई समिति समुचित मामलों में, अंतरिती बैंक में शेयरों के ऐसे अंतरण को प्रभावी बनाने के लिए सशक्त होगी चाहे ऐसे परिवर्तन रिकार्ड तारीख के बाद अथवा प्रभावी तारीख के बाद अंतरिती बैंक में शेयरों का अंतरक अथवा अंतरिती के लिए उत्पन्न कठिनाइयों को दूर करने के लिए हो।
- (ख) गैर-अंतरिती बैंक के शेयरधारकों को जारी अंतरिती बैंक के शेयर, जैसा कि उप-पैरा (क) में विनिर्दिष्ट है, प्रभावी तारीख से ही और अंतरिती बैंक के विद्यमान शेयरों के साथ समान आधार पर, लाभांश, मतदान अधिकार तथा अन्य सभी मामलों में समान होंगे और उपयोज्य विनियमों के अध्वधीन संगत भारत के स्टॉक एक्सचेंज में व्यापार के लिए सूचीबद्ध अथवा ग्राह्य होंगे, जहां अंतरिती बैंक के विद्यमान इक्विटी शेयर व्यापार के लिए सूचीबद्ध अथवा ग्राह्य है।
- (ग) प्रभावी तारीख से ही -
 - (i) उप-पैरा (क) के उपबंधों के अनुसरण में अंतरिती बैंक की शेयर पूंजी गैर-अंतरिती बैंक अथवा उनके नामनिर्देशितियों को जारी शेयरों के अंकित मूल्य की सीमा तक बढ़ी हुई होगी;
 - (ii) अंतरक बैंक की समग्र शेयर पूंजी बिना किसी अन्य कार्य, विलेख अथवा लिखत रद्द माने जाएंगे तथा ऐसे शेयरों का प्रतिनिधित्व करने वाले शेयर प्रमाण-पत्र

बिना किसी और कार्य, विलेख अथवा लिखत के स्वतः रह, निर्विपित हो जाएंगे और उनका कोई प्रभाव नहीं होगा;

- (iii) अंतरक बैंक के शेयर भारत के स्टॉक एक्सचेंज की सूची से हटा दिए जाएंगे, जहां पर वे व्यापार के लिए सूचीबद्ध अथवा स्वीकृत हैं; परन्तु अंतरक बैंक के शेयरों में व्यापार को रिकार्ड तारीख को स्थगित किया गया हो;
- (iv) अंतरक बैंक के प्रबंध निदेशक सहित पूर्णकालिक निदेशक बिना किसी अन्य कार्य, लिखत अथवा विलेख के अपना पदभार त्याग देंगे तथा अंतरक बैंक का निदेशक मंडल विघटित हो जाएगा।

7. अंतरक बैंक जिसमें परिवीक्षाधीन अधिकारी अथवा कर्मचारी (निदेशक बोर्ड या कार्यपालक न्यासी को छोड़कर) सम्मिलित है, प्रत्येक स्थायी अधिकारी या अन्य स्थायी कर्मचारी जो प्रभावी तारीख से ठीक पहले नियोजन की सेवा में हों, अंतरिती बैंक के केन्द्रीय बोर्ड द्वारा अनुमोदित की जा सकने वाले ऐसे निबंधनों और शर्तों पर अंतरिती बैंक में अपना पद धारण करेगा या उसके अंतर्गत सेवाएं देगा तथा यथास्थिति अंतरिती बैंक के अधिकारी या कर्मचारी, के रूप में कार्य करना जारी रखेगा:

परन्तु अंतरक बैंक के अधिकारियों या कर्मचारियों को प्रस्थापित वेतन एवं भत्ते अंतरक बैंक में उनके द्वारा आहरित समग्र वेतन एवं भत्तों से कम नहीं होंगे।

8. अंतरक बैंक के अधिकारियों अथवा कर्मचारियों को अंतरिती बैंक द्वारा लिखित में रोजगार प्रस्थापना अथवा विकल्प पत्र दिया जाएगा और जहां अंतरक बैंक का कोई अधिकारी या अन्य कर्मचारी अंतरिती बैंक के नियोजन में होने के विकल्प को विकल्प पत्र की तारीख से पंद्रह दिनों की अवधि के अन्दर नहीं चुनता है, वहां ऐसे अधिकारी या कर्मचारी को अंतरिती बैंक की सेवा में जारी रहना स्वीकार किया गया समझा जाएगा।

9. औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) में या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, अंतरक बैंक के किसी अधिकारी या अन्य कर्मचारी की सेवाओं का अंतरिती बैंक को अंतरण ऐसे अधिकारी या अन्य कर्मचारियों को औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) में या तत्समय प्रभावी किसी अन्य विधि के उपबंधों के अंतर्गत किसी प्रतिकर के लिए पात्र नहीं बनाएगा और किसी न्यायालय, अधिकरण या किसी अन्य प्राधिकरण द्वारा ऐसे किसी दावे को ग्रहण नहीं किया जाएगा।

10. ऐसे अधिकारी और अन्य कर्मचारी, जो अंतरक बैंक की सेवा से प्रभावी तारीख से पूर्व सेवानिवृत्त हो चुके हैं या जिन्होंने इस प्रभावी तारीख के बाद अंतरिती बैंक की सेवा में पदभार न

ग्रहण करने का विकल्प चुना है और अंतरक बैंक से किसी फायदा, अधिकार या विशेषाधिकार के लिए पात्र हैं, अंतरिती बैंक से ऐसे फायदे, अधिकार और विशेषाधिकार प्राप्त करने के पात्र होंगे;

परन्तु अंतरक बैंक का कोई अधिकारी अथवा कर्मचारी जो अंतरिती बैंक की सेवा में पदभार न ग्रहण करने का विकल्प चुनता है, घटती या अन्य (अंतरक बैंक के साथ नियोजन की उसके अथवा उसकी संविदा की समयपूर्व पदच्युत अथवा कार्यालय या नियोजन की हानि सहित) के लिए नोटिस अथवा प्रतिकर के लिए पात्र नहीं होगा।

11. अंतरक बैंक की भविष्य निधि या उपदान निधि या पेंशन निधि या कोई अन्य निधि या अधिकारियों या कर्मचारियों के लिए सृजित, यथास्थिति स्थापित या गठित कोई अन्य निकाय, अंतरिती बैंक के पास ही रहेंगे और भविष्य निधि या उपदान निधि या पेंशन निधि या किसी अन्य निधि को मंजूर की गई कोई आयकर या कोई अन्य कर संबंधी छूट अंतरिती बैंक पर लागू होना जारी रहेगी।

12. भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 (1955 का 23) या भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 (1959 का 38) या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि या अंतरक बैंक के विनियमों में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, अध्यक्ष, न्यासी, कार्यपालक न्यासी या अंतरक बैंक के कारबार और कार्यों का पूर्णरूपेण या उसके पर्याप्त भाग का प्रबंधन करने के लिए पात्र कोई अन्य व्यक्ति पद हानि के लिए या अंतरक बैंक के साथ उसके द्वारा की गई नियोजन की किसी संविदा की समयपूर्व समाप्ति के लिए यथास्थिति अंतरक बैंक या अंतरिती बैंक के विरुद्ध किसी प्रतिकर के लिए पात्र नहीं होगा।

13. अंतरिती बैंक या तो अपने केन्द्रीय बोर्ड अथवा कार्यपालक समिति के माध्यम से इस आदेश के अर्थान्वयन या इसके निर्वचन के संबंध में उद्भूत किसी प्रश्न का समाधान करने या कठिनाइयों को दूर करने के लिए और पूर्ण क्रियान्वयन और इसके क्रियान्वयन में आने वाली कठिनाइयों का समाधान करने के लिए ऐसे निदेश दे सकता है जो वह ठीक समझे।

[फा. सं. 26/1/2009-बीओए]

आलोक निगम, संयुक्त सचिव

2445 (61/10-2

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Financial Services)
ORDER

New Delhi, the 28th July, 2010

G.S.R. 638(E).—Whereas, the State Bank of India (hereinafter referred as the Transferee Bank), with the sanction of the Central Government and in consultation with the Reserve Bank, has entered into negotiations for acquiring, by way of amalgamation, the business including the assets and liabilities of the State Bank of Indore (hereinafter referred as the Transferor Bank);

Whereas, the terms and conditions relating to acquisition have been agreed upon by the Central Board of Transferee Bank and the Board of the Transferor Bank in the form of a Scheme;

And whereas, the Reserve Bank has approved to such acquisition agreed upon, by the Transferor Bank and the Transferee Bank, and submitted the same to the Central Government for its sanction;

Now therefore, in pursuance of powers conferred under sub-section (2) of section 35 of the State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955) (hereinafter referred as the said Act), the Central Government, by the following Order, accords its sanction, namely :-

1. (1) This Order may be called the Acquisition of State Bank of Indore Order, 2010.
- (2) It shall come into force on the thirtieth day from the date of its publication in the Official Gazette (hereinafter referred to as the effective date):

2. On and from the effective date, the undertaking of the Transferor Bank, as it stood before the effective date shall, without any further act, instrument or deed, stand transferred to, and vest in, the Transferee Bank.
3. The undertaking of the Transferor Bank which is transferred to, and vests in, the Transferee Bank shall be deemed to include all business, assets, rights, powers, authorities, licenses, permits, approvals, permissions, incentives, loans, subsidies, concessions, grants, liberties, special status and other privileges and all properties, namely, movable and immovable, real and personal, corporeal and incorporeal, goodwill, copyright, all rights under the intellectual property, in possession or reservation, present or contingent of whatever nature and wheresoever situate, including lands, buildings (including commercial and residential), fixtures, vehicles, cash balances, deposits, foreign currencies, disclosed and undisclosed reserves, reserve fund, special reserve fund, benevolent reserve fund, any other fund, stocks, investments, shares, dividends, bonds, debentures, security, management of any industrial concern, loans, advances and guarantees given to industrial concerns, other tenancies, leases and book-debts and all other rights and interest arising out of such property as were immediately before the effective date in the ownership, possession or power of the Transferor Bank within or outside India, all books of account, registers, records and documents relating thereto and shall also be deemed to include all borrowings, liabilities and obligations of whatever kind within or outside India then subsisting of the Transferor Bank whether secured or unsecured, along with any charge, encumbrance, lien or security thereon or in respect thereof.
4. All contracts, deeds, bonds, guarantees, agreements, assurances, powers-of-attorney, other instruments of whatsoever nature and working arrangements subsisting immediately before the effective date shall be of as full force and effect against or in favour of the Transferee Bank and enforceable as fully and effectually as if, instead of the Transferor Bank, the Transferee Bank had been named therein or had been a party thereto and it shall not be necessary to obtain the consent of any third party or other

person who is a party to any of the aforesaid instruments or arrangements to give effect to the provisions of this paragraph.

5. Any proceeding or cause of actions, suits, decrees, recovery certificates, appeals and all other legal proceedings pending before any court or tribunal or any other authority by or against the Transferor Bank may, as from the effective date, be continued and enforced by or against the Transferee Bank in which the Transferor Bank has vested by virtue of this Order as it might have been enforced by or against the Transferor Bank as if this Order had not been in force and shall cease to be enforceable by or against the Transferor Bank.
6. (a) On and from the effective date, in consideration of the transfer and vesting of the entire undertaking of the Transferor Bank in the Transferee Bank in terms of this Order, the Transferee Bank shall, subject to the provisions of this Order, and without any further application, act or deed, issue and allot, in accordance with all applicable laws or regulations, thirty-four equity shares of the face value of ten rupees each credited as fully paid up in the capital of the Transferee Bank to those members of the Transferor Bank excluding the Transferee Bank and its nominees (the Non-Transferee Bank Shareholders) whose names are recorded in the register of members and the records of the depository as members of the Transferor Bank on a date to be fixed by the Board of the Transferee Bank or its Executive Committee after the issuance of this Order (hereinafter referred to as record date) for every hundred shares of the face value of ten rupees each held by the Non-Transferee Bank Shareholders in the Transferor Bank :

Provided that,-

- (i) where a Non-Transferee Bank Shareholder holding in the Transferor Bank is such that such shareholder becomes entitled to a fraction of an equity share of the Transferee Bank, the Transferee Bank shall not issue

fractional share certificates to such shareholder but shall pay to such shareholder, cash equal to the value of such fractional share determined in accordance with the valuation of the shares of the Transferee Bank as has already been conducted.

- (ii) If there are any pending share transfers, whether lodged or outstanding, of any Non-Transferee Bank Shareholder on the record date, the Central Board or any committee of the Transferee Bank shall be empowered in appropriate cases, even after the completion of the record date or the effective date, to give effect to such transfer of shares in the Transferee Bank as if such changes were operative as on the record date in order to remove any difficulties arising to the transferor or transferee of the share in the Transferee Bank after the effective date.

- (b) The shares of the Transferee Bank issued to the Non-Transferee Bank Shareholders as specified in sub-paragraph (a) shall rank for dividend, voting rights and in all other respects, at an equal basis with the existing shares of the Transferee Bank on and from the effective date and shall, subject to applicable regulations, be listed or admitted to trading on the relevant stock exchanges in India, where the existing equity shares of the Transferee Bank are listed or admitted to trading.

- (c) On and from the effective date,-

- (i) The share capital of the Transferee Bank shall stand enhanced to the extent of the face value of the shares issued to the Non Transferee Bank Shareholders or their nominees pursuant to the provisions of sub-paragraph (a);
- (ii) The entire share capital of the Transferor Bank shall, without any further act, deed or instrument, stand cancelled and the

share certificates representing such shares shall, without any further act, deed or instrument, be deemed to be automatically cancelled, extinguished and be of no effect;

- (iii) The shares of the Transferor Bank shall be delisted from stock exchanges in India where they are listed or admitted to trading;

Provided that trading in the shares of the Transferor Bank shall cease on the record date;

- (iv) Whole time directors, including the Managing Director, of the Transferor Bank shall, without any further act, instrument or deed, cease to hold office and the Board of Directors of the Transferor Bank shall stand dissolved.

7. Every permanent officer or other permanent employee of the Transferor Bank, including the officers or employees on probation (except the Board of Directors and Executive Trustees) serving in the employment of the Transferor Bank immediately before the effective date shall hold his office or service therein in the Transferee Bank on such terms and conditions as may be approved by the Central Board of the Transferee Bank and shall continue to work as an officer or, as the case may be, employee of the Transferee Bank:

Provided that the pay and allowances offered to the officers or employees of the Transferor Bank shall not be less than the overall pay and allowances as they would have drawn in the Transferor Bank.

8. The officers or employees of the Transferor Bank shall be given an offer of employment or option letter in writing by the Transferee Bank and where an officer or other employee of the Transferor Bank does not exercise any option, within a period of fifteen days from the date of the option letter given for exercising the option, to be in the employment of the Transferee Bank, such officer or employee shall be deemed to have accepted to continue in the service of the Transferee Bank.

9. Notwithstanding anything contained in the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) or in any other law for the time being in force, the transfer of the services of any officer or other employee of the Transferor Bank to the Transferee Bank shall not entitle such officer or other employee to any compensation under the provisions of the said Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) or any other law for the time being in force and no such claim shall be entertained by any court, tribunal or any other authority.

10. The officers or other employees who have retired before the effective date from the service of the Transferor Bank or opted not to join in the service of the Transferee Bank, on the effective date and entitled to any benefits, rights or privileges from Transferor Bank, shall be entitled to receive such benefits, rights or privileges from the Transferee Bank:

Provided that any officer or employee of the Transferor Bank who opt not to join the service of the Transferee Bank shall not be entitled to notice or compensation, whether for retrenchment or otherwise (including for loss of office or employment or premature termination of his or her contract of employment with the Transferor Bank).

11. The Provident Fund or the Gratuity Fund or the Pension Fund or any other Funds of Transferor Bank and any other bodies created, established or constituted, as the case may be, for the officers or other employees shall continue with the Transferee Bank and any income tax or other tax exemption granted to the Provident Fund or the Gratuity Fund or the Pension Fund or any other funds, if any, shall continue to be applied to the Transferee Bank.

12. Notwithstanding anything contained in the State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955) or the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959) or any other law for the time being in force or the regulations of the Transferor Bank or the Transferee Bank, the Chairman, the Trustees, Executive Trustees or any other person entitled to manage the whole or substantial part of the business and the affairs of the Transferor Bank shall not be entitled to any compensation against the Transferor Bank or

Transferee Bank, as the case may be, for the loss of office or for the premature termination of any contract of employment entered into by him with the Transferor Bank.

13. The Transferee Bank, either through its Central Board or its Executive Committee, may give such directions as they may consider necessary to settle any questions or difficulty arising in relation to the meaning or interpretation of this Order, for due and complete implementation and for removing any difficulty as may arise in the course of implementation of this Order and other matters connected therewith.

[F. No. 26/1/2009-BOA]
ALOK NIGAM, Jt. Secy.